महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवलपमेंट, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ और लोक प्रशासन विभाग द्वारा 25-09-2024 को पंडित दिनदयाल उपाध्याय के 108वे जन्मदिवस के अवसर पर लेक्चर ऑन "फिलोसॉफी ऑफ़ पंडित दिनदयाल उपाध्याय ऑन सस्टेनेबिलिटी ऑफ एनवायरनमेंट" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित और कुलगीत के साथ हुई। मंच संचालन डॉ समुंदर सिंह द्वारा किया गया। प्रारंभ मे विभागाध्यक्ष डॉ सेवा सिंह दहिया द्वारा स्वागत भाषण दिया गया और साथ ही उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला।आयोजन के मुख्य वक्ता डॉ राजेश धनखड़ (डीन, फैकल्टी ऑफ़ लाइफ साइंसेज) रही। जिन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता की जीवन में महत्ता पर प्रकाश डाला। इसे पहली बार पंडित दिनदयाल उपाध्याय ने 1928 में अवधारणा को दिया। लेक्चर की शुरुआत जलवायु परिवर्तन के बारे में बताने से हुई जिसमे मुख्य रूप से उद्योगों द्वारा फैलाया प्रदूषण जिम्मेदार है। उद्योगों द्वारा छोड़े गए कूड़े करकट को पूर्ण रूप से निपटान के लिए आह्वान किया। उन्होंने जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, मिट्टी प्रदूषण, वन्यजीव संरक्षण, ठोस अवशिष्ट प्रबंधन, कृषि भूमि संरक्षण और सतत विकास जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण के विषय में सामान्य जीवन में अपनाए जाने वाली सावधानियों पर सुझाव दिए और ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण पर जोर दिया। अंत में लोक प्रशासन विभाग के डॉ जगबीर नरवाल द्वारा अतिथि का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुमन लता तथा सभी शोधार्थी एवं विधार्थी मौजूद रहे।

" Budget is the life blood
of the government."
Aaron Wildavsky